समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-10-22	2	5-8

महिलाओं को शिक्षा में सशक्त बनाने से घर परिवार और समाज का होगा विकास : वीसी

महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण विषय पर एचएयू में कार्यशाला का आयोजन किया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है।

महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। प्रो. कॉम्बोज शुक्रवार को होम साइंस कॉलेज की तरफ से आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग सवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए और उन्हें शिक्षा द्वारा सशक्त बनाना चाहिए। इससे घर-परिवार तथा समाज का विकास होगा। एचएयू में महिला शिक्षा की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि इसके बहुत सार्थक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इनसे विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या में हर साल वृद्धि हो रही है और विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं।

छात्राओं ने नाटक प्रस्तुत कर मनमोहा

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यवेक्षक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला में बुड़ाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़िया, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल और गोबर से बने दीये और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29-10-22	5	3-6

देश के विकास के लिए महिलाओं को बनाएं सशक्त

जागरण संवाददाता, हिसार: भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बातें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक माडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। • पीआरओ

प्रो. कांबोज ने कहा कि अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है, फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं, उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। कार्यशाला में बुडाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ो से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

गुजवि को ए प्लस ग्रेड मिलना एक बड़ी उपलब्धि

जासं, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा जारी ग्रेडिंग में ए प्लस ग्रेड मिलना बड़ी उपलब्धि है। विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने यह उपलब्धि गुरु जंभेश्वर भगवान व विवि परिवार को समर्पित किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29.10.22	4	4-6

देश में तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी: प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 अक्तूबर (ब्यूरो): भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा कि आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं, जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं, जिनमें सुनीता विलयम्सन, किरण बेदी, मेरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं।

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में बुडाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया।

इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-10-22	5	3-5

देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

महिलाओं को शिक्षा में सशक्त बनाने से घर-परिवार तथा समाज का होगा विकास

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 28 अक्तूबर (विरेंद्र वर्मा) : भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं है जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं जिनमें सुनीता विलयम्सन, किरण बेदी, मेरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यवेक्षक ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-10-22	4	3-4

महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं : प्रो. कांबोज

एचएयू में प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

हिसार। भारतीय महिलाओं ने अवसर मिलने पर प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं है। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही। वह शुक्रवार को होम साइंस कॉलेज की ओर से आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अगर कृषि क्षेत्र के कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	29-10-22	10	1-3

70 फीसदी महिलाओं के साथ असमानता

- हकृवि में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण पर कार्यशाला में बोले वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे शुक्रवार को होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक मॉडल का विकास पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं।

रूढ़िवादी मानसिकता बदलने की जरूरत : डॉ. शर्मा

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़िवादी मानसिकता बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने कहा आज कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं है जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की है। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	29.10.22	----	----

देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज

महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

हिसार : भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	28.10.22	----	----

देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए और उन्हें शिक्षा द्वारा सशक्त बनाना चाहिए। इससे घर-परिवार तथा समाज का विकास होगा। विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या में हर साल वृद्धि हो रही है और विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं है जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊचाइयां प्राप्त की हैं जिनमें सुनीता विलयम्सन, किरण बेदी,मेरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यवेक्षक ने बढ़ चढ़ ?र भाग लिया। कार्यशाला में बुडाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपडो से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	28.10.22	----	----

देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व क्षेत्र में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए और उन्हें शिक्षा द्वारा सशक्त बनाना चाहिए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं जिनमें सुनीता विलयम्सन, किरण बेदी,मैरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं।

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चाहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में बुडाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	28.10.22	----	----

देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाकर पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे : प्रो. कंबोज

महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कृषि क्षेत्र की बात करते है तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ है। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं है जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊचाइयां प्राप्त की है जिनमें सुनीता विलयम्सन, किरण बेदी,मेरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल है।

इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपडो से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान	28.10.22	----	----

हिसार: देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी: कुलपति कम्बोज

28 Oct 2022 20:06:37

महिलाओं को शिक्षा में सशक्त बनाने से घर-परिवार तथा समाज का होगा विकास

महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 28 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने शुक्रवार को होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक मॉडल का विकास विषय पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं है जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊचाइयां प्राप्त की हैं जिनमें सुनीता विलयम्सन, किरण बेदी,मेरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रुप से शामिल हैं।

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यवेक्षक ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला में बुड़ाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और सूरदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर उपस्थी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ो से बने आर्टिकल और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

26 Oct 2022

26 Oct 2022

28 Oct 2022

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.10.2022	--	--

महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से बनाएं सशक्तः कुलपति

नभ-छोर न्यूज ⏭ 28 अक्टूबर

हिसार। भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए और उन्हें शिक्षा द्वारा सशक्त बनाना चाहिए। इससे घर-परिवार तथा समाज का विकास होगा। हकृवि में महिला शिक्षा की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि इसके बहुत सार्थक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इनसे विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या में हर साल वृद्धि हो रही है और विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढिवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं। जिन्होंने इस पुरातन रूढ़िवादी परंपराओं को तोडकर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपडों से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।